अन्तर्राष्ट्रीय योग–दिवस 1
कला संकाय 2
समाज विज्ञान संकाय 3
शिक्षा संकाय 4
तकनीकी संकाय 5
वाणिज्य संकाय 6
विज्ञान संकाय 7
आर0 ई0 आई0 इण्टरमीडिएट कॉलेज 7

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

अप्रैल–मई–जून 2015, अंक पाँच

अन्तर्राष्ट्रीय योग–दिवस

21 जून 2015 को दयालबाग़–एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट में राष्ट्रीय सेवा–योजना एवं संस्कृत–विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग–दिवस का आयोजन किया गया इस अवसर पर लगभग 800 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। योग पर ऑन लाइन कॉन्टेस्ट भी रखा गया साथ ही डॉ0 गुरुप्यारी सत्संगी ने योगासनों पर प्रदर्शनी लगाई। प्रो0 पी0 श्रीराममूर्ति ने योग का महत्त्व बताया। डॉ0 स्वामी दयाल सिन्हा एवं श्रीमती संगीता सिन्हा ने योगासन सिखाये। डॉ0 सिद्धार्थ अग्रवाल ने योग का महत्त्व स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभप्रद बताया। स्वामी परिहारानन्द ने अनुचित आसन लगाने के दुष्प्रभावों पर विचार प्रकट किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 निशीथ गौड़ ने किया तथा आयोजकों में संस्थान के कार्यकारी निदेशक प्रो0 अजय सक्सेना, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, प्रो0 स्वामी प्रसाद सक्सेना एवं रूबीना सक्सेना विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कला संकाय

डॉ. मीनाक्षी ठाकुर एवं श्री विजय कुमार ने राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला में क्रमशः "मिथिला ए ग्लोब्लाइज़्ड आर्ट" आधुनिक काल की स्वतंत्र कला–भारतीय जनजातीय कला के परिप्रेक्ष्य में" उपविषय पर पेपर प्रस्तुत किया, जिसका विषय "आदिवासी जनजाति समाज, संस्कृति, कला और साहित्यः 21वीं शताब्दी के परिप्रेक्ष्य में" था, इस कार्यक्रम को जनजातीय शोध एवं विकास संस्थान, वाराणसी एवं जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान, संस्कृति विभाग, उ. प्र. सरकार संयुक्त तत्वावधान के द्वारा, वाराणसी उत्तर प्रदेश में 11–12 अप्रैल 2015 में आयोजित किया गया था।

कला संकाय, चित्रकला विभाग की छात्राओं की पेण्टिग राज्य ललित अकादमी के लिए की ओर से 2014–2015 अलीगढ़ क्षेत्र में प्रदर्शनी के लिए चुनी गई हैं, छात्राओं के नाम हैं–अंशुली शुक्ला, अपर्णा श्रीवास्तव, अभिजीत कुमार सिन्हा, दिव्या सिंह, सृष्टि जैन, गरिमा यादव, श्वेता देशबन्धु, बन्टी कुमारी, गुरुप्यारी शाह, इन्द्रा सत्संगी, कविता, नुपुर लोधी, मीनू राजपूत, पारुल पाल सिंह, सोनाली गुप्ता, वर्षा बंसल ।

चित्रकला विभाग की छात्राओं आरती शर्मा, शिवानी गुप्ता, रिचा यादव, सृष्टि जैन, नीतू यादव, अंशुली शुक्ला, कंचन कुमारी, अपर्णा श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला में क्रमशः "21वीं सदी की आदिवासी भील महिला कलाकार भूरी बाई", "जनजातीय लोककला का आधुनिक परिवेश में प्रभाव", "21 वीं शताब्दी के परिप्रेक्ष्य में बस्तर की आदिवासी जनजाति कला", "छत्तीसगढ़ की जनजातीय लोककला का कलात्मक स्वरूप", "आदिवासी जनजाति कोकुर की कला–21वीं शताब्दी के परिप्रेक्ष्य में", "कुरम्बास जनजातीय कला का भारतीय चित्रकला में योगदान", 'आदिवासी जनजाति संस्कृति व लोककला में रंगों का उभरता स्वरूप", ' उत्तर प्रदेश की आदिवासी जनजाति की लोककला" उपविषय पर पेपर प्रस्तुत किया, जिसका विषय "आदिवासी जनजाति समाज, संस्कृति, कला और साहित्यः 21वीं शताब्दी के परिप्रेक्ष्य में" था। इस कार्यक्रम को जनजातीय शोध एवं विकास संस्थान, वाराणसी एवं जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान, संस्कृति विभाग, उ.प्र. सरकार संयुक्त तत्वावधान के द्वारा, वाराणसी उत्तर प्रदेश में 11–12 अप्रैल 2015 में आयोजित किया गया था।

डॉ. सुमन शर्मा को सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय द्वारा आयोजित युवा संचालकों के

'वाणी' प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत आकाश-वाणी मथुरा द्वारा दिनांक 12 मई 2015 को रिसोर्सपर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. सुमन शर्मा ने आकाशवाणी आगरा के घर संसार कार्यक्रम में दिनांक 01 अप्रैल 2015 को वार्त्ता प्रस्तुत की जिसका विषय था– 'प्रेमचंद के उपन्यासों में नारी'।

डॉ0 निशीथ गौड़ का 'भारतीय समाज में महिला देवी या शोषित' पुस्तक में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते– स्मृतियों के परिप्रेक्ष्य में' अध्याय प्रकाशित हुआ, आई.एस.बी.एन.–978–81–930947–0–9 ।

डॉ0 निशीथ गौड़ 5 जुलाई 2015 को वीनस इन्टरनेशनल फाउन्डेशन चेन्नई के द्वारा 'आउटस्टैण्डिंग फैकल्टी अवार्ड (संस्कृत) से सम्मानित हुईं।

समाज विज्ञान संकाय

डॉ. बीरपाल सिंह ठैनुआं ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खैर, अलीगढ़ द्वारा दिनांक 13 जून से 19 जून 2015 को आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला "मानव अधिकार शिक्षा और दलित महिलाएँ" में सहभागिता की ।

डॉ. लाजबन्त सिंह का शोध–पत्र "रोल ऑफ लॉ इन सोशियोइकोनोमिक एण्ड एजुकेशनल डबलपमेण्ट एबाउट दलित वुमिन– ए स्टडी ऑफ वेस्टन यू पी" इण्टरनेशलन जरनल ऑफ ह्यूमेनिटीज़ – सोशल साइंसेज़ एण्ड एजुकेशन, प्रिन्ट आइ. एस. एस. एन. संख्या 2349–0373ए ऑनलाइन आइ. एस. एस. एन. संख्या 2349–0381 ए वॉल्यूम 2, इश्यू 5, एकेडेमेशियन रिसर्च सेण्टर हैदराबाद, जून 2015 में प्रकाशित हुआ।

प्रो. के. शान्ति स्वरूप ने हेल्सिंकी विश्वविद्यालय फिनलैण्ड द्वारा 8 से 13 जून 2015 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन "टूवार्ड ए साइन्स ऑफ कॉन्शियसनेस में 'इज़ इनवेस्टमेण्ट डिसीज़न बाई माइक्रो स्मॉल एण्ड मीडियम इंटरप्राइज़ेज ए कॉसियम साइंस' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया गया। प्रो. शान्ति स्वरूप 1 से 5 जून 2015 को जर्मनी के कील विश्वविद्यालय का भी दौरा किया तथा टेक्निक्स फोर काउन्सलिंग एण्ड इनहेंसिग रिस्क कॉन्शियसनेस ऑफ एम. एस. एम. ई. इन इण्डिया यूजिंग केस स्टडी अप्रोच विषय पर व्याख्यान दिया।

शिक्षा संकाय

प्रो. विभा निगम 4 मई, 2015 बी0 आर0 अम्बेडकर विश्वविद्यालय की चयन समिति के सदस्य के रूप में सम्मिलित हुईं।

प्रो. प्रवीन देवगन का उच्च प्राथमिक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक–आर्थिक स्तर एवं स्वभाव के प्रभाव का अध्ययन नामक शोध प्रपत्र भारतीय आधुनिक शिक्षा, एन.सी.आर.टी. के अप्रैल अंक में 2015 को प्रकाशित हुआ।

प्रो. एन.पी.एस. चन्देल को 'रीसेन्ट ट्रेन्ड्स इन रिसर्च मेथोडोलॉजी एण्ड डेटा एनालिसिस' विषय पर आधारित 8 दिवसीय कार्यशाला में दिनांक 27 एवं 28 जून, 2015 को व्याख्यान हेतु आमन्त्रित किया गया। जिसका आयोजन जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा किया गया। व्याख्यान के विषय निम्नलिखित थे– अ. नॉर्मल प्रोबेबिलिटी कर्व; कैरेक्टरिस्टिक्स एण्ड एप्लीकेशन, ब. पैरामेट्रिक स्टैटिस्टक्स, स. एनोवा एवं एनकोवा।

डॉ. ए. के. कुलश्रेष्ठ ने स्वामी विवेकानन्द कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रामनगर, पटियाला में दिनांक– 02.05.2015 को 'यूटीलिटी ऑफ स्टैटिस्टिक्स फॉर ए टीचर' विषय पर एवं दिनांक 04.05.2015 को 'रोल ऑफ आई.सी.टी इन स्कूल एजुकेशन पर व्याख्यान दिया।

डॉ. ए0 के0 कुलश्रेष्ठ ने मिलैनियन बी. एड. कॉलेज, बुरहानपुर, म.प्र. में दिनांक 04.07. 2015 को ड्राफ्टिंग एण्ड रिपोर्टिंग ऑफ ऐक्शन रिसर्च प्रपोजल विषय पर एवं दिनांक 06.07. 2015 के एप्लीकेशन ऑफ नॉर्मल प्रोबैबिलिटी कर्व इन एजुकेशन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. ए. के. कुलश्रेष्ठ को अप्रैल 2015 में जर्नल एशियन रिज़ोनेन्स, कानपुर में एडिटोरियल एडवाइज़री बोर्ड हेतु नामित किया गया।

डॉ. सोना आहूजा ने हेलसिंकी, फिनलैण्ड में दिनांक 8–13 जून 2015 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध प्रपत्र 'साइन्टिफिक इन्वेस्टीगेशन ऑफ मिस्टिकल इक्सपीरिएन्शेज एण्ड प्योर कॉन्शसनेस इवेन्ट्स' एवं 'कॉन्टेम्प्रेटिव पेडागॉजिकल प्रैक्टिसेस इन ट्रांसफारमेशन ऑफ कॉन्शसनेस प्रस्तुत किया।

डॉ0 अमित गौतम ने एनवायरमेण्टल एजुकेशनः ए ऑब्लीगेर्टर फॉर यूनिवर्सल एजुकेशन रिफॉर्म नामक शोध प्रपत्र दिनांक 15–16 मई, 2015 का ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर, कुमायूँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया।

डॉ. सोना दीक्षित ने राष्ट्रीय समिति सदस्य

के रूप में कार्य किया जिसका आयोजन 21 अप्रैल, 2015 को डिस्ट्रिक लीगल सर्विस अथोरिटी, आगरा द्वारा किया गया और दिनांक 6–26 मई, 2015 तक ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर, कुमायूँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में रिसर्च मेथडोलॉजी विषय पर अभिविन्यास कार्यक्रम/पाठ्यक्रम 'ए' ग्रेड के साथ उत्तीर्ण किया तथा डेवलपिंग सस्टेनेबेल है बिट्स इन चिल्ड्रेनः एन एजुकेशनल चैलेन्ज़ फॉर 21 सेन्चुरी नामक शोध प्रपत्र दिनांक 15–16 मई, 2015 को ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर, कुमायूँ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया।

भावना कुन्तल, (बी0एड0) 'क्रिएटीविटी एण्ड इनोवेशन नामक राष्ट्रीय पाठ्यक्रम हेतु एन. कैट (2015), दिल्ली प्रथम एवं द्वितीय चरण की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरान्त चयनित की गई।

तकनीकी संकाय

सत्र 2014–15 एन. सी. सी. परीक्षा परिणाम 20 जुलाई 2015–

(अ) बी. सर्टिफिकेट परीक्षार्थी कैडेटों की संख्या– 47 उत्तीर्ण कैडेटों की संख्या–47

(ब) सी. सर्टिफिकेट परीक्षार्थी कैडेटों की संख्या–03 उत्तीर्ण कैडेटों की संख्या–03

दिनांक 31 मार्च 2015 को मेज़र प्रीतम सिंह जी ए. एन. ओ. टेक्निकल कॉलेज के पद से रिटायर्ड हुये। मेज़र प्रीतम सिंह जी ने वर्ष 1996 में टेक्निकल कॉलेज में ए.एन.ओ.एन.सी. सी. का पद संभाला था। अगस्त 1996 में वह सेकेण्ड लेफ्टिनेंट के रूप में चयनित हुये। उनके निरन्तर परिश्रम व अथक मेहनत के फलस्वरूप वह लेफ्टिनेंट फिर कैप्टन और मेज़र पर तक पहुँचे। उनके अनुकरणीय मार्गदर्शन के फलस्वरूप 19 वर्ष के कार्यकाल में लगभग 1000 कैडेटों ने बी. सर्टिफिकेट और 500 कैडेटों ने सी. सर्टिफिकेट की परीक्षा उत्तीर्ण की। तीन सेमिनार (आगरा स्तर पर आयोजक), दो आर्मी एटेयमेन्ट कैम्प और एक राष्ट्रीय एकता शिविर उनके कार्यकाल के मुख्य पड़ाव रहें जिसमें पर्वतारोहण, पैराग्लाइडिंग, फायरिंग और मानचित्र अध्ययन जैसे रोमांचक कार्यक्रम में उन्हें सम्मिलित होने का अवसर मिला। मेज़र पद पर रहते हुये वह प्रत्येक कैम्प में द्वितीय कैम्प कमांडर के रूप में नियुक्त होते रहे और गत पाँच वर्षों से आई.यू. बी.पी.एन. में में उनका वर्चस्व रहा है। जिसके कारण दयालबाग़ शिक्षण संस्थान की आई.यू. बी.पी.एन. बिटालियन में एक सुदृढ़ छवि बनी है। उनका योगदान सराहनीय है।

लेफ्टिनेंट मनीष कुमार 1 अप्रैल 2015 को

ए.एन.ओ. टेक्निकल का पद संभाला। लेफ्टिनेंट मनीष कुमार ने तीन महीनों की ऑफिसर ट्रेनिंग कॉम्पटी नागपुर में ए-ग्रेड से पूर्ण की, तत्पश्चात वह 1 अप्रैल 2015 को ए. एन.ओ. टेक्निकल कॉलेज के पद पर चयनित हुये।

वन यू. पी. वी. एन. द्वारा दस दिवसीय कैम्प 1 जून 2015 से 10 जून 2015 तक इटौरा, ग्वालियर रोड, आगरा में आयोजित किया गया जिसमें भिन्न कॉलेज के 600 कैडेटों ने भाग लिया। इस कैम्प में टेक्निकल कॉलेज के 53 कैडेटों को भारतीय थल सेना के बहुआयामों जैसे मानचित्र अध्ययन, फायरिंग व ड्रिल का प्रयोगात्मक रूप में समझने का मौका मिला।

कैम्प में आयोजित वाद विवाद, समूह गान व एक्सटेम्पोर प्रतियोगिताओं में हमारे कैडेटों ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

लेफ्टिनेंट मनीष कुमार कैम्प ट्रेनिंग ऑफिसर नियुक्त किये गये। कैम्प में आयोजित रक्तदान शिविर में लेफ्टिनेंट मनीष कुमार के साथ–साथ 6 कैडेटों ने रक्तदान किया।

21 जून 2015 को योगा दिवस बनाया गया जिसमें टेक्निकल कॉलेज के 100% कैडेटों ने भाग लिया।

वाणिज्य संकाय

एक कार्य कौशल संवर्धन पांच दिवसीय कार्यशाला ''ऑटोमोबाइल उद्योग में औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यशाला'' शीर्षक से व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग डी.ई. तथा अरविन्द हुंडई आगरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गयी। कार्यशाला के अंतिम दिन अरविन्द हुंडई के बिक्री परामर्शदाताओं द्वारा कारों का सजीव और विस्तृत प्रदर्शन व प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा संयोजक थे डॉ. सुनेश्वर प्रसाद।

वाणिज्य संकाय के व्यावसायिक

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला ''स्किल एनहांसमेंट–रेडीनेस एंड स्ट्रेटेजीज़ फॉर ड्रीम जॉब'' विषय पर आयोजित की गयी। जिसे ''जायंट स्टेप'' के संस्थापक बी. के. गुप्ता तथा अन्य विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया गया। जिसमें साक्षात्कार तथा रिज़्यूम राइटिंग संबंधी जानकारियाँ दी गयी तथा ये भी समझाया गया कि वर्तमान समय में रोजगार पाने संबंधी समस्याओं का समाधान कैसे संभव है। इस कार्यशाला में विभिन्न संकायों तथा बाहर के 250 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों आदि ने भाग लिया। इसके संयोजक तथा सह संयोजक थे क्रमशः डॉ. सुनेश्वर प्रसाद तथा प्रो. वी. के. गंगल।

डॉ. अनीशा सत्संगी को दो दिवसीय कार्यशाला, विषय–रिसर्च मैथोडोलजी में एस. पी. एस. एस. सॉफ्टवेयर तथा रिव्यू ऑफ लिटरेचर पर व्याख्यान देने के लिए विशेषज्ञ संसाधक के रूप में दिनांक 2 व 3 मई 2015 को आयसेक्ट विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आमंत्रित किया।

विज्ञानसंकाय

वनस्पति विभाग, विज्ञान संकाय को एक विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 50 लाख का यू.जी. सी. अनुदान जून 2015 को प्राप्त हुआ।

आर0 ई0 आई0 इण्टरमीडिएट कालेज

आर. ई. आई. इण्टर कॉलेज के 42 जूनियर व सीनियर एन०सी०सी०कैडिटों ने दिनांक 01 जून, 2015 से 10 जून 2015 तक,1 यूपी.बटालियन द्वारा आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण कैम्प में भाग लिया तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर, कैम्प की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विभिन्न स्थान प्राप्त कियेः–

1. जूनियर वर्ग में ड्रामा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
2. जूनियर वर्ग में फायरिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
3. जूनियर वर्ग में ड्रिल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
4. सीनियर वर्ग में फायरिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

5. जूनियर वर्ग में ऋषिराज ने वाद विवाद में, विशाल कुमार ने सामान्य ज्ञान में, तथा शिवम उपाध्याय ने निबन्ध प्रतियोगिता व हथियार प्रशिक्षण में गोल्ड मेडल प्राप्त किये।
6. सीनियर वर्ग में सामान्य ज्ञान में कार्तिक यव तथा फायरिंग में विजय बघेल ने गोल्ड मेडल जीते।

सत्रहवीं एस.ओ.एफ. नेशनल साइंस ओलम्पियाड प्रतियोगिता में कक्षा–6 के छात्र अलख बत्रा तथा कक्षा–9 के छात्र सोनू कुमार ने क्रमशः 6629 व 6518 वीं अन्तर्राष्ट्रीय रैंक प्राप्त की।

सत्र 2015–16 में डी०ई०आई० में कक्षा–12 वीं गणित के 10 छात्रों का बी. टेक.में तथा 6 छात्रों का प्रवेश पॉलीटेक्निक में हुआ तथा कक्षा–10 के 4 छात्रों ने पॉलीटेक्निक में प्रवेश लिया।

- किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त और अच्छी सोच वाले लोगों के रहने की जगह बनाना है तो तीन शब्द इसके लिए बेहद अहम हैं–माता, पिता और अध्यापक।
- अपनी पहली जीत के बाद आराम से मत बैठो। क्योंकि यदि आप दूसरी बार विफल हुए तो लोग कहेंगे कि आपकी पहली जीत किस्मत से मिली थी।

–भारतरत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुलकलाम

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक	:	प्रो. पी.के. कालड़ा
सम्पादक	:	प्रो. आदित्य प्रचण्डिया
उपसम्पादक	:	डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा डॉ. नमस्या
सम्पादन सहयोग	:	डॉ. सूरज प्रकाश श्री अमित जौहरी
समाचार संयोजक	:	डॉ. अशोक यादव डॉ. अभिमन्यु डॉ. अनीशा सत्संगी डॉ. राजीव रंजन डॉ. वीरपाल सिंह ठेनुआ डॉ. क्षमा पाण्डेय श्री मयंक कुमार अग्रवाल